तारन दा वेला भवानी

हुण तारन दा वेला भवानी,
हुण तारन दा वेला,
अब तारो माँ हुण तारो
अब तारो माँ हुण तारो
हुण तारन दा वेला भवानी....

अम्ब पक्के सन्ता फल पके,
बागे पकेया ई केला भवानी हुण तारन दा वेला,
हुण तारन दा वेला भवानी,
अब तारन दा वेला,
अब तारो माँ हुण तारो,
अब तारो माँ हुण तारो,
हुण तारन दा वेला भवानी....

अम्ब थले मै खड़ी उडीका,
हो गया वेला कवेला भवानी हुण तारन दा वेला,
हुण तारन दा वेला भवानी,
अब तारन दा वेला,
अब तारो माँ हुण तारो,
अब तारो माँ हुण तारो,
हुण तारन दा वेला भवानी....

रत्नागिरी पर्वत के ऊपर,
शेर फिरे अलबेला भवानी हुण तारन दा वेला,
हुण तारन दा वेला भवानी,
अब तारन दा वेला,
अब तारो माँ हुण तारो,
अब तारो माँ हुण तारो,
हुण तारन दा वेला भवानी....

भक्तजनो पर कृपा करिये,
भक्त ना जाये वेला भवानी हुण तारन दा वेला,
हुण तारन दा वेला भवानी,
अब तारन दा वेला,
अब तारो माँ हुण तारो,
अब तारो माँ हुण तारो,
हुण तारन दा वेला भवानी....

हुण तारन दा वेला भवानी,
हुण तारन दा वेला,
अब तारो माँ हुण तारो
अब तारो माँ हुण तारो

हुण तारन दा वेला भवानी....

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26470/title/taaran-da-vela-bhawani

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |